



माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि

कुमुद रंजन¹

¹ शोधकर्ता, शिक्षा विभाग, राधा गोविंद विश्वविद्यालय, रामगढ़, झारखंड.

ABSTRACT:

शैक्षणिक प्रदर्शन या शैक्षणिक उपलब्धि वह सीमा है जिस तक एक छात्र ने अल्पकालिक या दीर्घकालिक शैक्षिक लक्ष्य हासिल किए हैं। माध्यमिक विद्यालय डिप्लोमा और स्नातक की डिग्री जैसे शैक्षिक मानदंडों को पूरा करना शैक्षणिक उपलब्धि को दर्शाता है। शैक्षणिक उपलब्धि छात्रों के व्यक्तित्व के संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरक क्षेत्रों के संपूर्ण शैक्षिक विकास का संकेत है। वर्तमान अध्ययन के माध्यम से अध्ययन करने वाले माध्यमिक छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि जानने के लिए किया गया है। छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाने के लिए नियमित और मुक्त शिक्षा मोड में बहुत सारी गतिविधियों की जाती हैं। वर्तमान युग में, शैक्षणिक उपलब्धि शिक्षकों के बीच चर्चा का केंद्र बिंदु है क्योंकि यह जीवन के कई क्षेत्रों में चयन का मानदंड बन गया है। शैक्षणिक उपलब्धि को आम तौर पर परीक्षाओं या निरंतर मूल्यांकन के माध्यम से मापा जाता है, लेकिन इस बात पर कोई आम सहमति नहीं है कि इसका मूल्यांकन कैसे किया जाता है, सबसे अच्छा तरीका या कौन से पहलू सबसे महत्वपूर्ण हैं - कौशल जैसे प्रक्रियात्मक ज्ञान या तथ्य जैसे घोषणात्मक ज्ञान। शैक्षणिक उपलब्धि को एक बहुआयामी संरचना माना जाना चाहिए जिसमें सीखने के विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। चूंकि शैक्षणिक उपलब्धि का क्षेत्र बहुत व्यापक है और इसमें कई तरह के शैक्षिक परिणाम शामिल हैं, इसलिए शैक्षणिक उपलब्धि की परिभाषा इसे मापने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले संकेतकों पर निर्भर करती है। शैक्षणिक उपलब्धि को दर्शाने वाले कई मानदंडों में से, बहुत सामान्य संकेतक हैं जैसे कि शैक्षिक प्रणाली में अर्जित प्रक्रियात्मक और घोषणात्मक ज्ञान, शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण पर ग्रेड या प्रदर्शन जैसे अधिक पाठ्यक्रम-आधारित मानदंड और शैक्षणिक डिग्री और प्रमाणपत्र जैसे शैक्षणिक उपलब्धि के संचयी संकेतक।

KEYWORDS:

उपलब्धि, संज्ञानात्मक, बहुआयामी लक्ष्य और कौशल।

PAPER ACCEPTED DATE:

29th May 2024

PAPER PUBLISHED DATE:

31st May 2024

परिचय

शिक्षा एक प्रकाश है। यह व्यक्ति के भीतर निष्क्रिय पड़ी जन्मजात क्षमताओं, सामर्थ्यों और शक्तियों को बाहर निकालने का प्रयास करती है। इन्हें शिक्षा के विभिन्न माध्यमों अर्थात् औपचारिक, अनौपचारिक और अनौपचारिक माध्यमों से विकसित किया जा सकता है। शिक्षा व्यक्ति के जीवन में विभिन्न क्षमताओं, कौशलों और दक्षताओं से उसे सशक्त बनाकर अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है; इस प्रकार, जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करती है। यह शिक्षा की प्रक्रिया है जो मनुष्य को उसकी पशु प्रवृत्तियों को नियंत्रित करके तर्कसंगत तरीके से व्यवहार करने में सक्षम बनाती है। शिक्षा, सतत विकास का आधार, सामाजिक समावेश और राष्ट्रीय विकास की कुंजी रखती है। यह जीवन की गुणवत्ता और स्वतंत्रता को आगे बढ़ाने के लिए मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। दूसरे शब्दों में, गुणवत्तापूर्ण ज्ञान और कौशल तक सांभौमिक पहुँच सुनिश्चित करती है कि सभी को काम और समाज में सार्थक और योगदानकारी भूमिका निभाने का समान अवसर मिले।

21^{वीं} सदी के आगमन के साथ, माध्यमिक शिक्षा को नए युग की चुनौतियों और अवसरों से निपटना होगा। अधिकांश देशों की शिक्षा नीति इस आधार पर आधारित है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तभी प्राप्त की जा सकती है जब छात्र प्रेरित और उत्साहित हों। वे बेहतर सीखने और समुदाय और समाज की बेहतरी के लिए काम करने के लिए तैयार हैं। हमारे छात्रों को आत्मविश्वास, उद्देश्य और जिम्मेदारी के साथ भविष्य का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए शिक्षकों और अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। हमारे समाज में, शैक्षणिक उपलब्धि को किसी की संपूर्ण क्षमताओं और योग्यताओं का मूल्यांकन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मानदंड के रूप में लिया जाता है। यह शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रौद्योगिकी और सूचना आधारित समाज ऐसे लोगों की मांग करता है जो विभिन्न मुद्दों का समाधान खोजने में सक्षम हों, ध्यान से विश्लेषण करें और नई परिस्थितियों के अनुकूल बनें जैसे कि विभिन्न प्रकार की समस्याओं को हल करना और अपनी सोच को सफलतापूर्वक साझा करना। व्यक्तियों के दृष्टिकोण, व्यवहार, मूल्यों और व्यक्तित्व को प्रभावित करने के उद्देश्य से व्यवस्थित शैक्षिक प्रयास करने की आवश्यकता है ताकि उनके विकास और विकास को अच्छी तरह से

प्रबंधित किया जा सके। शिक्षा प्राप्त करने की प्रक्रिया से गुजर रहे प्रत्येक छात्र के लिए शैक्षणिक उपलब्धि बहुत आवश्यक है, क्योंकि यह समकालीन समाज में युवाओं के सफल विकास में मदद करती है।

शैक्षणिक उपलब्धि

शैक्षणिक शब्द स्कूल के उन पहलुओं के लिए है जिसमें किताबों का अध्ययन शामिल है। पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम और उनके द्वारा पढ़ी गई किताबों में छात्रों की उपलब्धि और ग्रेड, प्रतिशत या पमाने के किसी अन्य बिंदु के रूप में व्यक्ति की गई उपलब्धि को मोटे तौर पर शैक्षणिक उपलब्धि कहा जा सकता है। आजकल, किसी की योग्यता मापने के लिए उपलब्धि परीक्षण काफ़ी महत्वपूर्ण हो गए हैं। किसी विशेष विषय में छात्रों के सीखने की प्रकृति और सीमा को मापने के लिए उपलब्धि परीक्षण का उपयोग किया जाता है। किसी विशेष क्षेत्र में, विभिन्न कारक और परिस्थितियाँ किसी विशेष छात्र की उपलब्धि को प्रभावित करती हैं।

कभी-कभी काफ़ी योग्य छात्र अपनी योग्यता के आधार पर अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं कर पाते हैं। माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को भविष्य के नेता के रूप में देखा जाता है। उनके लिए शैक्षणिक उपलब्धि ही उनका मुख्य लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समर्पण, त्यागपूर्ण आत्म-अनुशासन, प्रेरणा और छात्रों और शिक्षकों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध की आवश्यकता होती है। इस स्तर पर छात्रों पर बहुत सारी जिम्मेदारियाँ और चुनौतियाँ होती हैं। उन्हें अपनी शैक्षणिक खोज में सफल होने के लिए अच्छे मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकता होती है। जैसे-जैसे शैक्षणिक मांगें बढ़ती हैं और नए सामाजिक संबंध स्थापित होते हैं, छात्र इन मांगों को पूरा करने की अपनी क्षमताओं के बारे में अनिश्चित हो जाते हैं। जहाँ तक भावनात्मक और पारस्परिक विकास का सवाल है, शैक्षणिक जीवन एक महत्वपूर्ण चुनौती है। शैक्षणिक उपलब्धि शब्द महान ग्रीक दार्शनिक प्लेटो का गढ़ा हुआ है, जिसके अनुसार शैक्षणिक उपलब्धि का अर्थ है वह उपलब्धि स्तर, जिस पर छात्र एक निश्चित स्थान पर नियमित पाठ्यक्रम के माध्यम से अपने स्कूल के कार्य को पूरा करता है जिसे अकादमी कहा

जाता है। शैक्षणिक उपलब्धि का मतलब आमतौर पर वास्तविक क्षमता होता है जबकि क्षमता का मतलब संभावित क्षमता होता है। शैक्षणिक उपलब्धि यह दर्शाती है कि किसी व्यक्ति ने विभिन्न स्कूली विषयों में कितना ज्ञान और कौशल हासिल किया है (रायस, 2011)। शैक्षणिक उपलब्धि को पाठ्यक्रम के अंत में समग्र शिक्षा के रूप में माना जाता है।

शैक्षिक प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य छात्रों के प्रदर्शन या सीखने में सुधार करना है। छात्रों के सीखने के परिणामों को उनकी उपलब्धि या प्रदर्शन की मदद से मापा जाता है। प्रदर्शन मूल्यांकन निर्देशों के अंत में छात्रों के अंतिम व्यवहार को मापने की प्रक्रिया है। शैक्षणिक उपलब्धि छात्रों के लिए उनके भविष्य के जीवन के लिए उपयुक्त अवसरों को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता या स्कूली कार्यों में दक्षता की डिग्री के रूप में शैक्षणिक उपलब्धि को आमतौर पर मानकीकृत परीक्षणों द्वारा मापा जाता है और छात्र के प्रदर्शन के आधार पर ग्रेड या इकाइयों में व्यक्त किया जाता है। शैक्षणिक उपलब्धि को सभी शैक्षणिक विषयों में उत्कृष्टता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, कक्षा में और साथ ही पाठ्येतर गतिविधियों में भी। एक शैक्षणिक उपलब्धि, जैसे कि अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करना, कभी-कभी विशुद्ध रूप से मात्रात्मक मामला होता है, जबकि किसी मान्यता प्राप्त पत्रिका द्वारा प्रकाशित लंबे, व्यापक शोध के निष्कर्ष भी एक उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि है। किसी विश्वविद्यालय में किसी विशेष विभाग का प्रमुख/अध्यक्ष नामित होना एक पेशेवर और शैक्षणिक उपलब्धि दोनों है।

शैक्षणिक उपलब्धि में विद्यार्थियों के व्यवहार के तीन प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

- संज्ञानात्मक
- भावात्मक
- मनो-मोटर

बिना उचित प्रमाण के यह कहना मुश्किल है कि विद्यार्थी एक ही समय में तीनों क्षेत्रों में एक ही स्तर पर पहुँचते हैं। विद्यार्थी एक क्षेत्र में कुछ उच्च स्तर पर और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि के कुछ निम्न स्तर पर हो सकते हैं। चूँकि भावात्मक क्षेत्र और मनो-प्रेरक क्षेत्र के क्षेत्रों का पर्याय रूप से अन्वेषण नहीं किया गया है, इसलिए आम तौर पर शैक्षणिक उपलब्धि शब्द को विभिन्न स्कूली विषयों के संज्ञानात्मक क्षेत्रों में विद्यार्थियों की उपलब्धि के स्तर तक सीमित रखने की प्रथा है। वस्तुतः, सभी शिक्षक विद्यार्थियों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए किसी न किसी तरह के परीक्षणों का उपयोग करते हैं। शैक्षणिक उपलब्धि संपूर्ण शैक्षणिक प्रक्रिया में व्यक्ति की प्रगति का आकलन करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण घटक है। उपलब्धि की भावना व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व कौशल को निखारने के लिए निर्देशित करती है। कभी-कभी, उपलब्धि की उच्च भावना उपलब्धि के लिए प्रोत्साहन के स्रोत के रूप में कार्य करती है। यह आगे की गतिविधि को उत्तेजित करती है। यह व्यक्ति के जीवन को अर्थ देती है और व्यक्ति के आत्म-सम्मान को भी बढ़ाती है। दूसरी ओर, उपलब्धि की कम भावना हतोत्साह का स्रोत बन सकती है और यहां तक कि नर्वस ब्रेकडाउन की ओर भी ले जा सकती है क्योंकि यह छात्रों में हीन भावना पैदा करती है, खासकर वर्तमान संदर्भ में। इसलिए, माता-पिता और शिक्षकों की यह सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को शैक्षणिक सफलता के लिए प्रेरित करें और उन्हें पूरा प्रोत्साहन दें।

शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारक

- व्यक्तिगत कारक: इस श्रेणी के अंतर्गत आयु, लिंग, आनुवंशिकी और स्वास्थ्य को शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारकों के रूप में शामिल किया जा सकता है।
- मनोवैज्ञानिक कारक: मनोवैज्ञानिक कारकों में बुद्धि, सीखने की क्षमता, प्रेरणा, आत्म-प्रभावकारिता, सीखने की शैली, अध्ययन कौशल, रचनात्मकता, आकांक्षा का स्तर, आत्म-अवधारणा, रुचि आदि शामिल हैं।
- पर्यावरणीय कारक: ये कारक व्यक्ति के परिवेश और पर्यावरण से संबंधित हैं और इनमें सामाजिक-आर्थिक स्थिति, शैक्षिक प्रणाली, पारिवारिक वातावरण, मूल्य प्रणाली, शिक्षक की दक्षता, मूल्यांकन प्रणाली, स्कूल की स्थिति और पर्यावरण शामिल हैं।

शैक्षणिक उपलब्धि का महत्व

शैक्षणिक उपलब्धि छात्रों में सकारात्मक विकास को बढ़ावा देती है। जब छात्र परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने और कई बाधाओं को पार करने के लिए इतनी मेहनत करते हैं, तो

उन्हें उपलब्धि का अहसास होता है। अच्छा शैक्षणिक प्रदर्शन प्राप्त करके छात्र आत्म-सम्मान या आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं, जो उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। एक मजबूत शैक्षिक परिदृश्य छात्रों को भविष्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करता है। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन न केवल छात्र सीखने के परिदृश्य को बढ़ाता है, बल्कि कई कैरियर के अवसर भी प्रदान करता है। अकादमिक रूप से अच्छा प्रदर्शन करने से कई क्षेत्रों और संगठनों में अच्छे वेतनमान के साथ कई बेहतरीन अवसरों के द्वार खुलते हैं। अच्छी योग्यता हासिल करने के बाद छात्रों को बेहतर वेतन पैकेज के साथ कई कैरियर की संभावनाएं मिलती हैं। इस तकनीक से प्रेरित दुनिया में, कर्मचारी मजबूत शैक्षिक आधार वाले कुशल व्यक्तियों की तलाश करते हैं। अच्छी शैक्षणिक उपलब्धि छात्रों को सफल जीवन के लिए आवश्यक आवश्यक कौशल को बढ़ाने और विकसित करने की अनुमति देती है। छात्रों को नेतृत्व, समय प्रबंधन, प्रभावी संचार, तार्किक सोच, समस्या-समाधान और कई अन्य जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल विकसित करने का मौका मिलता है। इन कौशलों को विकसित करने से न केवल छात्रों को अकादमिक प्रदर्शन हासिल करने में मदद मिलती है, बल्कि उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं में भी उनका समर्थन होता है। खैर, शैक्षणिक उपलब्धि छात्रों को प्रेरित रहने में मदद करती है।

जब आप परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और अपने अंकों से प्रेरित होते हैं, तो आप अपने प्रदर्शन में सुधार करते रहते हैं और उसे बनाए रखते हैं। अकादमिक रूप से अच्छा प्रदर्शन करने से आप अधिक आत्मविश्वासी और प्रेरित महसूस करते हैं जो आपको कल से बेहतर बनने के लिए कड़ी मेहनत करते रहने के लिए स्वचालित रूप से प्रोत्साहित करता है। स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने से बाद में बेहतर नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि नियोजक अक्सर नियुक्ति के फैसले लेते समय शैक्षणिक उपलब्धियों को देखते हैं। इसलिए, बच्चे को बड़े होने पर अच्छी नौकरी पाने के लिए स्कूल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की आवश्यकता है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च स्तर की शैक्षणिक उपलब्धि वाले लोग जीवन में बाद में अधिक पैसा कमाते हैं। इसलिए, बच्चे को अच्छी नौकरी पाने और कार्यबल में प्रवेश करने पर अच्छी आय अर्जित करने के लिए स्कूल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की आवश्यकता है। जब कोई बच्चा स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसे संतुष्टि और उपलब्धि की भावना महसूस हो सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्होंने कुछ ऐसा हासिल किया होगा जिसके लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की थी। इसलिए, बच्चे के लिए स्कूल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना महत्वपूर्ण है ताकि वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस कर सकें। छात्र के व्यवहार में परिवर्तन और स्कूल में उनका प्रदर्शन दोनों ही इस बात के प्रभाव हैं कि वे क्या सीखते हैं। इस बिंदु पर, सफलता के विचार में व्यवहार में वे परिवर्तन शामिल हैं जो सीखने के परिणामस्वरूप लोगों के व्यवहार में आते हैं, जो विभिन्न कार्यों में प्राप्त सीखने की गुणवत्ता और मात्रा दोनों को दर्शाते हैं। उपलब्धि एक विशिष्ट प्रेरणा है जो यह मापने का प्रयास करती है कि किसी ने कितना सीखा है और वे अभी कितना अच्छा कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, यह उन परिणामों या लाभों को संदर्भित करता है जो किसी व्यक्ति को कुछ क्षेत्रों या क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अनुभव हो सकता है। शैक्षणिक सफलता को किसी व्यक्ति या समूह की शिक्षा में वृद्धि के रूप में देखा जाता है, जो शिक्षण के नियोजित तरीके से संभव होता है।

शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ावा देने की रणनीतियाँ

बच्चों को यथार्थवादी और प्राप्त करने योग्य लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रोत्साहित करें, उनके शैक्षणिक प्रयासों में उद्देश्य और दिशा की भावना को बढ़ावा दें। ज्ञान प्राप्त करने की खुशी को प्रदर्शित करके सीखने के लिए प्यार पैदा करें, बच्चों को शिक्षा को आजीवन प्रयास के रूप में देखने के लिए प्रेरित करें। एकाग्रता और ध्यान बढ़ाने के लिए घर पर सीखने के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाएं, जो विकर्षणों से मुक्त हो। बच्चों को अपने समय का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने में मदद करने के लिए संगठनात्मक कौशल सिखाएं, जो शैक्षणिक सफलता और उससे परे योगदान देता है। पाठ्येतर गतिविधियों में संलग्न होना न केवल एक अच्छी शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक और नेतृत्व कौशल को भी बढ़ाता है।

निष्कर्ष

शैक्षणिक उपलब्धि बच्चे के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, उन्हें कक्षा से परे अवसर और जीवन कौशल प्रदान करती है। यह केवल अच्छे ग्रेड से कहीं अधिक है। यह बच्चे के भविष्य की नींव रखता है, उन्हें आत्मविश्वासी, सक्षम व्यक्ति बनने में मदद करता है जो जीवन में सफल होने के लिए तैयार हैं। छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता

और आत्म-प्रभावकारिता जैसे कारकों पर ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि उचित शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक कारकों के बिना, कोई भी व्यक्ति जीवन और शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त नहीं कर सकता है। सही मार्गदर्शन और सहायता से बच्चे शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं और उन सीखों को अपने जीवन के हर पहलू में अपना सकते हैं। छात्रों के लिए शिक्षा का महत्व बहुत मायने रखता है, क्योंकि इससे उन्हें अपने ज्ञान के क्षितिज को बढ़ाने में मदद मिलती है। अकादमिक रूप से अच्छे अंक प्राप्त करने से छात्रों को करियर के अवसरों में वृद्धि, आत्म-सम्मान का निर्माण, आवश्यक जीवन कौशल विकसित करने, भविष्य में लाभदायक वेतन पैकेज के साथ बेहतरीन नौकरी के अवसर प्राप्त करने, मनचाही यूनिवर्सिटी में प्रवेश पाने, आत्मविश्वास महसूस करने आदि में मदद मिलती है। बहुत से शोधकर्ताओं के अनुसार, शिक्षण गुणवत्ता अकादमिक सफलता को प्रभावित करने वाले सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। हालाँकि इस बात के बहुत कम सबूत हैं कि शिक्षकों की योग्यता छात्रों की उपलब्धि को प्रभावित कर सकती है, लेकिन शिक्षण गुणवत्ता को व्यापक रूप से शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। स्कूल कारकों के लिए, व्यावहारिक साक्ष्य के आधार पर, एक आम सहमति बढ़ रही है, कि सफल नेतृत्व और स्कूल के माहौल का सकारात्मक प्रभाव सामान्य रूप से स्कूल के प्रदर्शन और छात्रों की सीखने की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है (एलन 2015)।

REFERENCES

1. एलन, एन., ग्रिम्सबी, बी., और पीटर्स, एम. (2015)। क्या नेतृत्व मायने रखता है? परिवर्तनकारी नेतृत्व, स्कूल के माहौल और छात्र उपलब्धि के बीच संबंधों की जांच करना।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल लीडरशिप प्रिपेरेशन, 10, 1-22।

2. भट और भारद्वाज (2014) शैक्षणिक उपलब्धियों की अवधारणा, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड साइंस रिसर्च, खंड-1, अंक-6, आईएसएसएन 2349-1817।

3. हॉल, ए.एल. (2007)। सेंट्रल फ्लोरिडा के एक पब्लिक हाई स्कूल में हाई स्कूल जूनियर्स की शैक्षणिक उपलब्धि, शैक्षणिक प्रदर्शन और आत्म-सम्मान के बीच संबंध। पीएच.डी. थीसिस, कैपेला यूनिवर्सिटी।

4. बालोस, टी.एम. (2021)। स्कूल की सुविधाएँ, स्थितियाँ और छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि। न्यूयॉर्क: गिलफोर्ड प्रेस।

5. जाफरी एस., असगरी ए. (2020) कक्षा के माहौल के आधार पर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि की भविष्यवाणी करना, शिक्षक-छात्र बातचीत और शैक्षणिक प्रेरणा की मध्यस्थता की भूमिका। इंडोनेशिया ओब्राजोवोनिया = शिक्षा का एकीकरण। 2020; 24(1):62-74.

6. अर्थमैन, जी.आई. (2017)। स्कूल भवन की स्थिति और छात्र उपलब्धि के बीच संबंध: साहित्य की एक महत्वपूर्ण परीक्षा। जर्नल ऑफ एथिकल एजुकेशनल लीडरशिप, 4(3), 1-16।

7. चक्रवर्ती और धर (2019) छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर अध्ययन, जर्नल ऑफ एडवांस एंड स्कॉलरली रिसर्च इन एलाइड एजुकेशन, खंड 16, अंक संख्या 5, आईएसएसएन 2230-7540।